Amar Ujala 24-9-25

एआई के फायदे-नुकसान बताए

गोस्वामी गणेश दत्त कॉलेज में रिसर्च राइटिंग पर हुई कार्यशाला

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। एसडी कॉलेज (गोस्वामी गणेश दत्त कॉलेज) में मंगलवार को कॉलेज की लाइब्रेरी ने साहित्य समीक्षा में एआई की भूमिका: फायदे और नुकसान विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम कॉलेज की रिसर्च राइटिंग वर्कशॉप सीरीज़ का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य छात्रों को यह समझाना था कि किस तरह एआई टूल्स अकादमिक रिसर्च और लेखन को नया स्वरूप दे रहे हैं।

कार्यशाला में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रूपक चक्रवर्ती मुख्य वक्ता रहे। प्रो. चक्रवर्ती ने जेनी एआई, पेपरपाल, पेपरडाइजेस्ट, पेपरपाइल और सेमांटिक स्कॉलर जैसे एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोगों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये प्लेटफॉर्म साहित्य समीक्षा, साइटेशन शैलियों और रिसर्च लेखन की प्रक्रिया को सरल बना सकते हैं। साथ ही उन्होंने जोर दिया कि ये टूल्स छात्रों की मौलिकता और आलोचनात्मक सोच का विकल्प नहीं, बल्कि सहायक साधन हैं।

कार्यशाला का समापन प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

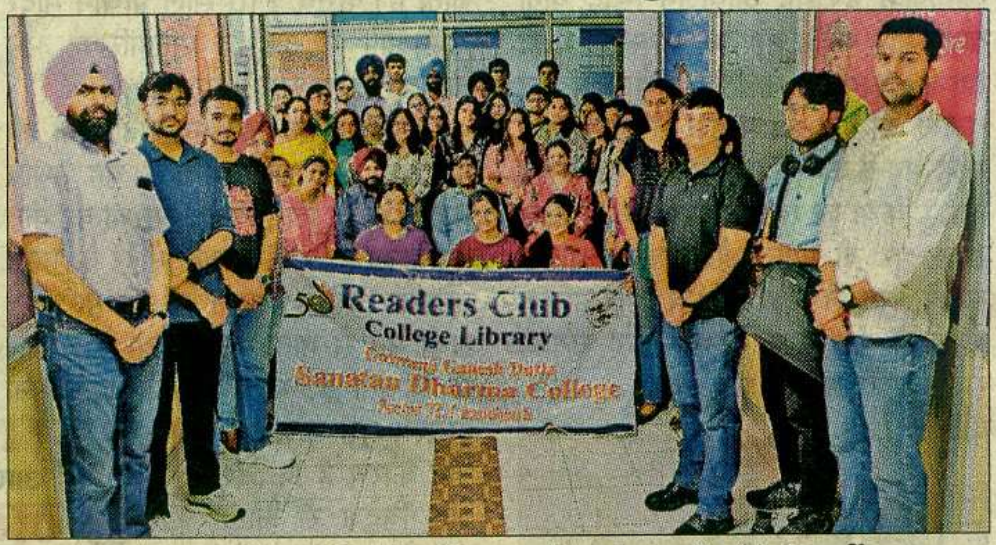

गोस्वामी गणेश दत्त कॉलेज में रिसर्च राइटिंग पर हुई कार्यशाला में पहुंचे विद्यार्थी। स्रोत: संस्थान

Dainik Jagram 24-9-25

एआइ वर्कशाप : रिसर्च राइटिंग में नई दिशा

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़ः सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज की लाइब्रेरी में मंगलवार को "साहित्य समीक्षा में एआइ की भूमिकाः फायदे और नुकसान" विषय पर एक वर्कशाप का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम लाइब्रेरी की रिसर्च राइटिंग वर्कशाप सीरीज़ का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य छात्रों को एआइ के माध्यम से रिसर्च और अकादमिक लेखन में नई संभावनाओं से अवगत कराना था।

इस कार्यशाला में पंजाब यूनिवर्सिटी के लाइब्रेरी एंड इंफारमेशन साइंस विभाग के अध्यक्ष प्रो. रूपक चक्रवर्ती मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने एआइ टूल्स जैसे जेनी एआइ, पेपरपाल, पेपरडाइजेस्ट, पेपरपाइल और सेमांटिक स्कालर के उपयोग पर चर्चा की। प्रो. चक्रवर्ती ने बताया कि ये टूल्स छात्रों के लिए सहायक हैं, लेकिन मौलिकता और आलोचनात्मक सोच का विकल्प नहीं बन सकते। वर्कशाप का समापन प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ।

Dainik Savera Times 24-9-25

जीजीडीएसडी कॉलेज की लाइब्रेरी ने रिसर्च राइटिंग में एआई पर वर्कशॉप करवाई

वर्कशॉप में हिस्सा लेते छात्र

सवेरा न्यूज/नीना शर्मा चंडीगढ़ : जीजीडीएसडी कालेज सैक्टर 32 की लाइब्रेरी की ओर से मंगलवार को साहित्य समीक्षा में एआई की भूमिका फायदे और नुकसान विषय पर एक वर्क शॉप का आयोजन किया गया। कॉलेज लाइब्रेरी की रिसर्च राइटिंग वर्क शॉप सीरीज़ के हिस्से के रूप में इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को यह बेहतर ढंग से समझाना था कि एआई किस तरह से अकादमिक रिसर्च और राइटिंग को नया आकार दे रहा है। इस कार्यशाला में पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के लाइब्रेरी एंड इंफॉरमेशन साइंस विभाग के अध्यक्ष प्रो. रूपक चक्रवर्ती को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। कॉलेज के रजिस्ट्रार आशुतोष शर्मा, हेड लाइब्रेरियन डॉ. गुरप्रीत सिंह और कंप्यूटर साइंस और एप्लीकेशंस विभाग की हेड डॉ. रीना ने उनका स्वागत किया। प्रो. चक्रवर्ती ने साहित्य समीक्षा और रिसर्च पेपर में जेनी एआई, पेपरपाल, पेपरडाइजेस्ट, पेपरपाइल और सेमांटिक स्कॉलर जैसे विभिन्न एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोगों के बारे में बताया। कार्यक्रम का कुशल समन्वय आयोजन समिति द्वारा किया गया था, जिसमें संयोजक डॉ. गुरप्रीत सिंह, आयोजन सचिव डॉ. मोनिका सेठी, मॉडरेटर मनप्रीत कौर और आयोजन टीम के अन्य सदस्य शामिल थे। यह कार्यक्रम एक सशक्त रिसर्च संस्कृति को बढ़ावा देने और छात्रों को उभरती टेक्नोलॉजी के साथ जिम्मेदारी से जुड़ने के लिए तैयार करने के लिए कॉलेज लाइब्रेरी की प्रतिबद्धता का प्रमाण था।

Divya Himachal 24-9-25

छात्रों ने जाने एआई टूल्स

एसडी कालेज में रिसर्च राइटिंग वर्कशॉप में जागरूक किए छात्र

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज लाइब्रेरी ने श्साहित्य समीक्षा में एआई की भूमिका फायदे और नुकसान विषय पर एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कॉलेज लाइब्रेरी की रिसर्च राइटिंग वर्कशॉप सीरीज़ के हिस्से के रूप में इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को यह बेहतर ढंग से समझाना था कि एआई किस तरह से अकादमिक रिसर्च और राइटिंग को नया आकार दे रहा है। इस कार्यशाला में पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान विभाग के अध्यक्ष प्रो. रूपक चक्रवर्ती को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था। कॉलेज के रजिस्ट्रार आशुतोष शर्मा और हेड लाइब्रेरियन डा. गुरप्रीत सिंह और कम्प्यूटर साइंस और एप्लीकेशंस विभाग की हेड डा. रीना ने उनका स्वागत किया। प्रो. चक्रवर्ती ने साहित्य समीक्षा और रिसर्च पेपर में जेनी एआई, पेपरपाल, पेपरडाइजेस्ट, पेपरपाइल और सेमांटिक स्कॉलर जैसे विभिन्न एआई टूल्स के व्यावहारिक उपयोगों के बारे में बताया। उन्होंने दिखाया कि ये प्लेटफॉर्म छात्रों को साइटेशन शैलियों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने जैसे कार्यों में कैसे मदद कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात पर जोर दिया कि ये टूल्स छात्रों की मौलिकता और आलोचनात्मक सोच की जगह लेने के बजाय उनका पूरक बनने के लिए हैं।

Punjab Kesari 24-9-25

ए.आई. की भूमिका फायदे और नुकसान विषय पर हुई वर्कशॉप

चंडीगढ़, 23 सितम्बर (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज की लाइब्रेरी की ओर से साहित्य समीक्षा में ए.आई. की भूमिका फायदे और नुकसान विषय पर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कॉलेज लाइब्रेरी की रिसर्च राइटिंग वर्कशॉप सीरीज के हिस्से के रूप में इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को यह बेहतर ढंग से समझाना था कि ए.आई. किस तरह से अकादमिक रिसर्च और राइटिंग को नया आकार दे रहा है।

इस कार्यशाला में पंजाब यूनिवर्सिटी के लाइब्रेरी एंड इंफॉरमेशन साइंस विभाग के अध्यक्ष प्रो. रूपक चक्रवर्ती को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया था।

कॉलेज के रजिस्ट्रार आशुतोष शर्मा, हेड लाइब्रेरियन डॉ. गुरप्रीत सिंह और कंप्यूटर साइंस और एप्लीकेशंस विभाग की हैड डॉ. रीना ने उनका स्वागत किया। प्रो. चक्रवर्ती ने साहित्य समीक्षा और रिसर्च पेपर में जेनी एआई, पेपरपाल, पेपरडाइजेस्ट, पेपरपाइल और सेमांटिक स्कॉलर जैसे विभिन्न ए.आई. टूल्स के व्यावहारिक उपयोगों के बारे में बताया।

वर्कशॉप का समापन प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ

उन्होंने दिखाया कि प्लेटफॉर्म छात्रों को साइटेशन शैलियों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने जैसे कार्यों में कैसे मदद कर सकते हैं। उन्होंने एक महत्वपूर्ण बात पर जोर दिया कि ये टूल्स छात्रों की मौलिकता और आलोचनात्मक सोच की जगह लेने के बजाय उनका पूरक बनने के लिए हैं।

वर्कशॉप का समापन प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ और डॉ. गुरप्रीत सिंह ने औपचारिक धन्यवाद प्रस्ताव दिया। कार्यक्रम का कुशल समन्वय आयोजन समिति द्वारा किया गया था, जिसमें संयोजक डॉ. गुरप्रीत सिंह, आयोजन सचिव डॉ. मोनिका सेठी, मॉडरेटर मनप्रीत कौर और आयोजन टीम के अन्य सदस्य शामिल थे।